बैंकों में विशेषज्ञ अधिकारियों के पदों हेतु तैयारी कैसे करें?

आरती एस

जो लोग आईबीपीएस जनरल बैंकिंग ऑफिसर प्रारंभिक परीक्षा में बैठे थे, उन्हें उनके परिणाम मिल गए हैं और सफल उम्मीदवारों को मुख्य परीक्षा में बैठने के लिए तैयार रहना चाहिए. अब उनके लिए यह अवसर है जो सार्वजनिक क्षेत्र के उन बैंकों में विशेषज्ञ अधिकारी बनना चाहते हैं, जिनके कार्यालय और शाखाएं पूरे देश में हैं.

हम सभी जानते हैं कि जनता को अपनी सेवाएं देने के लिए बैंकों को अधिकारियों और लिपिक कर्मचारियों की आवश्यकता होती है. अधिकारियों के मामले में हम ज्यादातर सामान्य बैंकिंग अधिकारियों के बारे में सोचते हैं क्योंकि बैंक शाखा में जाने पर हमें सबसे अधिक ऐसे अधिकारियों से ही मिलने की संभावना होती है. विशेषज्ञ अधिकारी आमतौर पर इन बैंकों के प्रशासनिक कार्यालयों में तैनात होते हैं और हम उनमें से अधिकांश से नहीं मिलते हैं.

बैंकों में सामान्य अधिकारी और विशेषज्ञ अधिकारियों -दोनों के लिए अवसर होते हैं. विशेषज्ञ अधिकारियों के लिए आपको विशेषज्ञता के विषय का अध्ययन करना होगा, जबकि किसी भी विषय में स्नातक सामान्य अधिकारी के पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं. एक और दिलचस्प बात यह है कि विशेषज्ञ अधिकारी के पद के लिए पात्र व्यक्ति सामान्य अधिकारी के पद के लिए भी (योग्यता के संबंध में) पात्र होते हैं किन्तु विशेषज्ञ अधिकारी के पद के लिए सभी व्यक्ति पात्र नहीं होते हैं.

विशेषज्ञ अधिकारियों के लिए रिक्तियां कम होती हैं लेकिन आवेदकों की संख्या भी कम होती है. इसलिए प्रतियोगिता का स्तर सामान्य बैंकिंग या विशेषज्ञ अधिकारियों के लिए चयन प्रक्रिया में बहुत अलग होता नहीं है.

विशेषज्ञ या सामान्य अधिकारी बनना कॅरिअर में और जीवन में भी एक विकल्प है. यह आपकी योग्यता, आकांक्षाओं और वरीयता पर निर्भर करता है. जहां तक सरकारी बैंकों में विशेषज्ञ अधिकारियों के लिए कॅरिअर मार्ग का संबंध है, व्यक्तिगत बैंकों की नीति के अनुसार, विशेषज्ञ अधिकारियों के रूप में निश्चित संख्या में वर्षों की सेवा के बाद सामान्य बैंकिंग में जाने के अवसर उपलब्ध होते हैं. हालांकि एक सामान्य बैंकिंग अधिकारी के लिए विशेषज्ञ कार्यों में जाना आसान नहीं होता है.

अब बैंक भी सुपर और माइक्रो स्पेशलाइजेशन वाले लोगों को ले रहे हैं. कुछ की जरूरत कम होती है और इस तरह के पदों के लिए प्रतिभा पूल सीमित होता है. कृषि, मानव संसाधन, सूचना प्रौद्योगिकी, विधि, विपणन अधिकारी एवं राजभाषा अधिकारी जैसी व्यापक विशेषज्ञता में बहुत अधिक रिक्तियां पाई जा सकती हैं. अधिकांश सरकारी स्वामित्व वाले बैंकों में कृषि अधिकारी, मानव संसाधन (एचआर) अधिकारी, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी अधिकरी), विधि अधिकारी, विपणन अधिकारी और राजभाषा अधिकारी के पद का एंट्री लेवल अर्थात कनिष्ठ प्रबंधन ग्रेड स्केल-I पर होता है. इन पदों के लिए पात्रता मानदंड और ऐसे अधिकारियों के कार्यों का वर्णन नीचे दिया गया है-

कृषि अधिकारी : कुछ बैंकों में इस पद को ग्रामीण विकास अधिकारी, कृषि क्षेत्र अधिकारी या कृषि-विकास अधिकारी भी कहा जाता है. कृषि एक व्यापक विषय है और कृषि में बी.एसई. (कृषि) सामान्य स्नातक योग्यता है. बेशक यह योग्यता किसी उम्मीदवार को पद के लिए पात्र बनाती है लेकिन कई अन्य योग्यताओं पर भी विचार किया जाता हैं. इनमें पशुपालन, मत्स्य विज्ञान, बागवानी, पशुचिकित्सा विज्ञान, वानिकी, कृषि-वानिकी, मछली पालन, खाद्य प्रौद्योगिकी, सेरीकल्चर, डेयरी विज्ञान/प्रौद्योगिकी, कृषि विपणन, सहकारिता और बैंकिंग, कृषि इंजीनियरिंग और कृषि व्यवसाय प्रबंधन में डिग्री शामिल हैं.

जैसा कि हम सभी जानते हैं बैंकों को कई सरकारी योजनाओं, विशेष रूप से ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होती है. बैंकों को यह सुनिश्चित करना होता है कि उनके ऋण का एक निश्चित प्रतिशत कृषि को जाता है जो कई श्रेणियों में विभाजित होता है जैसे प्रत्यक्ष कृषि, अप्रत्यक्ष कृषि और कृषि से जुड़ी गतिविधियां. फिर कृषि-उद्योगों और कृषि-क्लीनिकों के लिए ऋण दिया जाता है. कृषि अधिकारी बैंक शाखा के इस पोर्टफोलियो की देखभाल करते हैं और बाद में प्रशासनिक स्तर पर. वे निरीक्षण रिपोर्ट तैयार करने के लिए ग्रामीण घरों, खेत/भूमि की संपत्ति आदि का दौरा करते हैं जो ऋण दस्तावेजों के साथ रखी जाती है. ऋण दस्तावेजों की तैयारी और कार्रवाई, ऋण खातों की निगरानी और ऋणों की वसूली उनकी जिम्मेदारियों में

शामिल हैं. वे स्व-सहायता समूहों के गठन और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने में भी योगदान करते हैं. कृषि अधिकारी अपनी शाखा से जुड़े व्यावसायिक संवाददाताओं के साथ समन्वय करते हैं. ताकि वे प्रभावी रूप में अपनी भूमिका निभा सकें. कुछ अनुभव के साथ उन्हें बैंक की किसी शाखा के प्रबंधक के रूप में भी नियुक्त किया जा सकता है.

मानव संसाधन अधिकारी : मानव संसाधन अधिकारियों की आवश्यकता हर मध्यम और बड़े संगठन में होती है और इसी तरह बैंकों को भी इनकी आवश्यकता होती है. इन अधिकारियों के पदनाम कार्मिक अधिकारी भी होते हैं. जिन लोगों ने अपनी मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.) या मास्टर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (एम.एम.एस.) डिग्री में विशेषज्ञता के रूप में मानव संसाधन (एच.आर.) को चुना है, वे बैंकों में इस विशेषज्ञ पद के लिए आवेदन कर सकते हैं. इस तरह की विशेषज्ञता के साथ प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एम.) धारक भी पात्र माने जाते हैं. जिन योग्यताओं पर विचार किया जाता है, वे कार्मिक प्रबंधन/औद्योगिक संबंध/श्रम कानून में स्नातकोत्तर डिप्लोमा हैं. ये सभी पाठ्यक्रम 2 वर्षीय पूर्णकालिक अवधि के होने चाहिए.

मानव संसाधन अधिकारी के रूप में आपको बैंक के किसी भी प्रशासनिक कार्यालय में कार्य करना होगा. और नियमित मानव संसाधन काम में भाग लेंगे जैसे स्थानांतरण और प्लेसमेंट, प्रदर्शन मूल्यांकन, वेतन/मुआवजा और लाभ, कर्मचारी संबंध, प्रशिक्षण नामांकन, कर्मचारी विकास आदि. इसके बाद आप क्षेत्रीय/जोनल कार्यालय में मानव संसाधन कार्यों का प्रमुख बनने की आशा कर सकते हैं.

विधि अधिकारी : विधि या विधिक अधिकारी के लिए आवेदन करने के लिए, आपके पास एलएलबी की डिग्री होनी चाहिए जो स्नातक (बी.ए./बी.कॉम आदि) के बाद या राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों और अन्य संस्थानों में पांच वर्ष के एकीकृत पाठ्यक्रम के रूप में प्राप्त की जाती है. पात्र बनने के लिए आपको बार काउंसिल में एक वकील के रूप में भी पंजीकृत होना चाहिए.

बैंकिंग व्यवसाय में जमाकर्ताओं, उधारकर्ताओं और आपूर्तिकर्ताओं के साथ अनुबंध किए जाते हैं. इस तरह के अनुबंध के किसी भी उल्लंघन या कानूनी विवाद होने पर विधि अधिकारियों की राय महत्वपूर्ण होती है. कर्मचारी और बैंक एक कानूनी संबंध भी बनाते हैं और जब आपको जरूरत हो तो आपको ऐसे संबंध को परिभाषित करने और व्याख्या करने की आवश्यकता होगी, कर्मचारियों को दिए गए नोटिसों का मसौदा तैयार करना होगा आदि. आपको अपने बैंक द्वारा रखे गए बाहरी वकीलों के संपर्क में भी कार्य करना होगा.

विपणन अधिकारी : दशकों से बैंक ज्यादातर व्यवसाय पर निर्भर थे लेकिन अब धीरे-धीरे ये आक्रामक बाजार में बदल रहे हैं. एम.बी.ए./एम.एम.एस./पी.जी.डी.एम. के साथ विपणन में विशेषज्ञता आपको विपणन अधिकारी के पद के लिए आवेदन करने के पात्र बनाती है. यहां भी पाठ्यक्रम दो वर्ष की अवधि का और पूर्णकालिक होने की पूर्वापेक्षा है.

विपणन अधिकारी के रूप में आप बैंक को उसके व्यवसाय के विभिन्न क्षेत्रों में लक्ष्य को प्राप्त करने में और तीसरे पक्ष के उत्पादों की बिक्री में मदद करेंगे. आपको ज्ञात होगा कि अब बैंक कमीशन कमाने के लिए बीमा और म्यूचुअल फंड कंपनियों के एजेंट के रूप में भी काम करते हैं. व्यवसाय के विकास में योगदान देने के अलावा विपणन अधिकारी, नई योजनाओं को विकसित करने, व्यवसाय संग्रहण शिविरों का आयोजन करने और ब्रांड/छवि निर्माण के लिए पहल करने में भी सहायता करते हैं.

सूचना प्रौद्योगिकी अधिकारी : अब दुनिया भर में बैंकिंग प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग के साथ डिजिटल हो गई है और इस तकनीक का प्रबंधन करने के लिए आपको लोगों की आवश्यकता होती है. सूचना प्रौद्योगिकी यानी आईटी अधिकारी की भूमिका में आने के लिए आपको इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी में कंप्यूटर विज्ञान/कंप्यूटर अनुप्रयोगों/इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार या दूरसंचार या इंस्ट्रूमेंटेशन/सूचना प्रौद्योगिकी में स्नातक या स्नातकोत्तर होना आवश्यक है. डीओईएसीसी बी स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले स्नातक भी पात्र होते हैं.

एक आईटी अधिकारी के रूप में आप माइक्रो या मेक्रो स्तर पर बैंक में प्रौद्योगिकी प्रणाली की देखभाल करेंगे. यह सुनिश्चित करते हुए कि आउटसोर्स तकनीकी सेवाएं अच्छी तरह से चलती हैं, आपको सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर की खरीद में भूमिका निभानी पड़ सकती है, आप व्यवसाय की निरंतरता की योजना के कार्यान्वयन और कम्प्यूटर दोष निवारण में शामिल होंगे. डेटा बैंक प्रबंधन, साइबर सुरक्षा अन्य कार्य क्षेत्र हैं.

राजभाषा अधिकारी : राजभाषा अधिकारियों को राजभाषा अधिकारी या हिंदी अधिकारी भी कहा जाता है. उनके लिए निर्धारित योग्यता स्नातक स्तर पर एक विषय के रूप में अंग्रेजी के साथ हिंदी में स्नातकोत्तर उपाधि या स्नातक स्तर की पढ़ाई में एक विषय के रूप में हिंदी के साथ अंग्रेजी में स्नातकोत्तर डिग्री है. जो लोग संस्कृत में मास्टर और हिंदी तथा अंग्रेजी के साथ स्नातक हैं वे भी आवेदन कर सकते हैं.

राजभाषा अधिकारियों के पद हर केंद्रीय सरकारी विभाग और सार्वजनिक क्षेत्र के संगठन में होते हैं क्योंकि राजभाषा अधिनियम उनके लिए उपलब्ध है. राजभाषा अधिकारी के रूप में आप इस कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने में सहायक होंगे. अंग्रेजी से हिंदी और इसके विपरीत दस्तावेजों आदि का अनुवाद, हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन और कर्मचारियों को हिंदी में अपना काम करने के लिए मार्गदर्शन करना, राजभाषा अधिकारियों के अन्य कर्तव्य हैं.

चयन प्रक्रिया : सभी पात्र आवेदकों को पहले ऑनलाइन आयोजित एक प्रारंभिक परीक्षा में उपस्थित होना आवश्यक होगा, जहां आपको कंप्यूटर स्क्रीन पर अपने उत्तर अंकित करने होंगे. विधि और राजभाषा अधिकारी के पदों के लिए प्रारंभिक परीक्षा में रीजनिंग, अंग्रेजी भाषा और बैंकिंग उद्योग के विशेष संदर्भ के साथ सामान्य जागरूकता शामिल होगी. आईटी, मानव संसाधन, विपणन और कृषि अधिकारी के लिए सामान्य जागरूकता को मात्रात्मक अभिरुचि से बदल दिया गया है. अंग्रेजी के भाग को छोड़कर, प्रश्नों का उत्तर हिंदी या अंग्रेजी में दिया जा सकता है.

हालांकि मुख्य परीक्षा के लिए योग्यता सूची कुल स्कोर पर आधारित होगी. तर्क, अंग्रेजी, सामान्य जागरूकता या मात्रात्मक अभिरुचि के प्रत्येक व्यक्तिगत खंड में निर्धारित कट ऑफ अंक प्राप्त करना आवश्यक है.

मुख्य परीक्षा में केवल एक खंड शामिल होता है जो विशेषज्ञता के क्षेत्र में पेशेवर ज्ञान है. विधि अधिकारी के पद के लिए आवेदकों को कानून से संबंधित सवालों के जवाब देने की आवश्यकता होगी. राजभाषा अधिकारियों के लिए खंड को वस्तुनिष्ठ और वर्णनात्मक भागों में विभाजित किया जाएगा, तथा अन्य पदों के लिए केवल वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे.

प्रारंभिक परीक्षा केवल एक पात्रता परीक्षा है. साक्षात्कार के लिए उम्मीदवारों को केवल मुख्य परीक्षा में उनके स्कोर के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया जाएगा.

विभिन्न खंडों के लिए तैयारी : आपका प्रारंभिक ध्यान प्रारंभिक परीक्षा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए होना चाहिए, तभी आप दौड़ में बने रहेंगे.

अंग्रेजी भाषा के परीक्षण में कम्प्रीहेंसन, शब्द अर्थ, पर्यायवाची और विलोम शब्द, शुद्धता की जांच या वाक्यों की गलती (ओं) वाले भाग की पहचान करके, एक सार्थक पैराग्राफ बनाने के लिए यादृच्छिक वाक्यों को व्यवस्थित करना, उपयुक्त शब्दों के साथ वाक्य भरना इत्यादि प्रश्न शामिल होते हैं. तैयारी के लिए इनको कवर करने वाली सामान्य अंग्रेजी की पुस्तक को संदर्भित किया जा सकता है. कम्प्रीहेंसन के हल किए गए उदाहरणों को पढ़ें और फिर स्वयं अभ्यास करें.

तर्क के परीक्षण में पाठ और कल्पना आधारित प्रश्न हो सकते हैं. कुछ इस प्रकार के प्रश्न होते हैं जो अक्सर पूछे जाते हैं और जिन्हें एक विशेष विधि को अपनाकर हल किया जा सकता है. इस प्रश्न को लें-कुछ रस फल हैं, कोई फल आलू नहीं है, कुछ आलू केक हैं. इस जानकारी के बाद कुछ निष्कर्ष पेश किए जाएंगे और आपसे उन निष्कर्षों को चुनने के लिए कहा जाएगा. दी गई सूचनाओं वाले गोलों से प्रश्नों को हल किया जाता है. आपको प्रश्नों के मूल में जाना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि आपका ध्यान अप्रासंगिक विकल्पों पर नहीं गया है. सूचना के साथ एक प्रश्न का उदाहरण-कुछ नेता ईमानदार हैं, सत्यप्रिया एक नेता हैं, इसके निम्नलिखित विकल्प दिए गए थे-सत्यप्रिया ईमानदार है/सत्यप्रिया बेईमान है/कुछ नेता बेईमान हैं/सत्यप्रिया निश्चित रूप से ईमानदार है/इनमें से कोई भी नहीं. इसका उत्तर है कुछ नेता बेईमान हैं. सत्यप्रिया का उल्लेख केवल प्रश्न में होने के कारण ही इसे उत्तर नहीं माना जा सकता.

सामान्य जागरूकता में प्रश्न व्यापार, अर्थव्यवस्था और बैंकिंग, सरकार की पहल, बैंक विलय, व्यापार पुस्तकों/लेखकों, राष्ट्रीय और वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन में नए विकास से संबंधित हो सकते हैं. कम से कम एक वित्तीय समाचार पत्र और व्यापार पत्रिका को नियमित रूप से पढ़ने से आप अपडेट रहेंगे और इस भाग में आपकी अच्छी मदद करेंगे. साथ ही सामान्य ज्ञान की कोई पुस्तक पढ़ना आवश्यकता है.

मात्रात्मक अभिरुचि के प्रश्न सरल और सीधे नहीं हो सकते हैं और केवल गणना से अधिक की आवश्यकता हो सकती है. विशेष प्रकार के प्रश्नों में एक वर्णमाला की शृंखला दी जा सकती है और प्रश्न इस प्रकार का हो सकता है- बायें से गिनती करते समय तीसरे तत्व से चौथा तत्व कौन सा है. एक अन्य प्रकार का प्रश्न हो सकता है- 80 लीटर शुद्ध दूध में 20 लीटर पानी मिलाया जाता है. इस मिश्रण के एक चौथाई भाग को बेचने के बाद, उक्त मात्रा को फिर से भरने के लिए पर्याप्त पानी डाला जाता है. नया अनुपात क्या है? आपको यहां उत्तर देने के लिए बुनियादी गणित की अपनी समझ को दोहराने की आवश्यकता है.

व्यावसायिक ज्ञान के संबंध में आप अपने मानव संसाधन/विपणन/विधि/कृषि पाठ्यक्रम में जो भी पढ़ते हैं, उसे ताज़ा करें. अधिक ध्यान आम और लोकप्रिय सिद्धांतों पर दिया जाना है. एच.आर. में उदाहरण के लिए, प्रश्न प्रेरणा सिद्धांतों, औद्योगिक नियमों (जैसे मातृत्व बिल आदि) से संबंधित हो सकते हैं. आपकी पाठ्यपुस्तकें यहां सबसे अच्छा संसाधन हैं. राजभाषा के मामले में, उम्मीदवारों को अनुवाद (अंग्रेजी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेजी), कॉम्प्रीहेंसन, शब्द ज्ञान, मुहावरों और वाक्यांशों के प्रयोग में अच्छा होना चाहिए और राजभाषा अधिनियम और नियमों के साथ भाषाओं से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों की जानकारी होनी चाहिए.

यदि आप पिछली परीक्षा के प्रश्न पत्रों का अभ्यास कर चुके हैं, तो आपका कार्य आसान होगा क्योंकि आप उनके पैटर्न के आधार पर तैयारी कर सकते हैं. ये प्रश्न-पत्र प्रतिस्पर्धी पत्रिकाओं, वेबसाइटों और गाइडों में पाए जा सकते हैं. साथ ही परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था द्वारा दी गई सूचना पुस्तिका का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया जाना चाहिए. मॉडल प्रश्न पत्रों का अभ्यास और हल करने से आपकी सटीकता और गति में सुधार होगा जो इस तरह की परीक्षाओं में सफलता की नींव रखते हैं.

(लेखक शिक्षाविद् हैं. ई-मेलः artmumb 98@gmail.com)

व्यक्त विचार व्यक्तिगत हैं.